<u>प्रतिवेदन</u>

विश्व सामाजिक न्याय दिवस 2026

डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली
दिनांक: 20 फरवरी 2026

विश्व सामाजिक न्याय दिवस 2026 के उपलक्ष्य में डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत, 20 फरवरी 2026 को विश्व सामाजिक न्याय दिवस कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन सामाजिक न्याय, समता, स्वतंत्रता तथा बंधुत्व के संवैधानिक आदर्शों के पुनर्स्मरण एवं पुनर्संकल्प हेतु आयोजित किया गया। यह आयोजन वैश्विक स्तर पर सामाजिक न्याय, समता एवं मानवीय गरिमा के संवर्धन हेतु संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिपादित उद्देश्यों के अनुरूप संपादित किया गया।

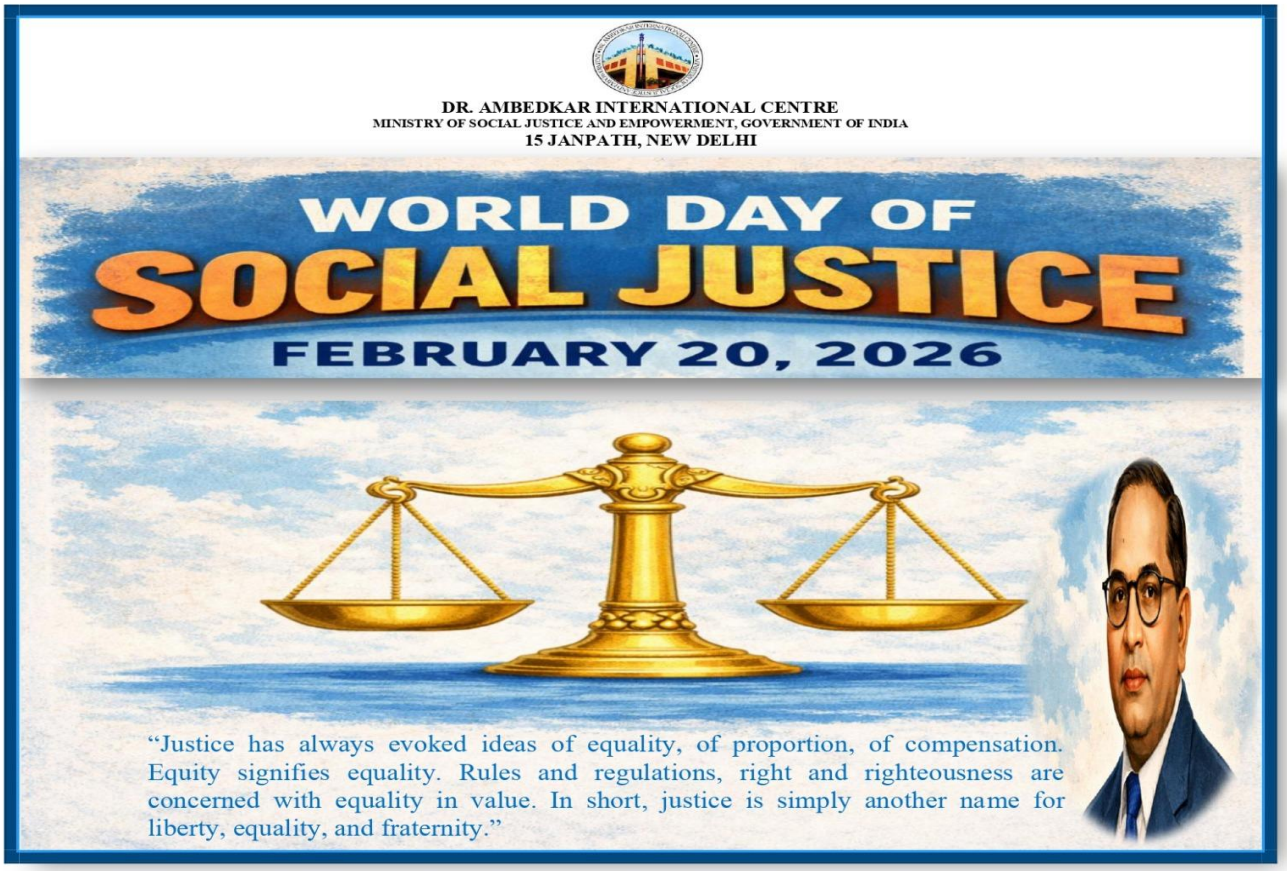

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा प्रेषित पत्र के माध्यम से अधीनस्थ कार्यालयों, संबद्ध कार्यालयों, स्वायत्त संस्थाओं, राष्ट्रीय संस्थानों तथा निगमों को उपयुक्त कार्यक्रम आयोजित करने तथा संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन का निर्देश प्रदान किया गया था। उक्त निर्देशों के अनुपालन में डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र में भी गरिमामय आयोजन संपन्न किया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र के प्रांगण में स्थित भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर की 18 फुट ऊँची भव्य प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पण के साथ हुआ। यह प्रतिमा प्रख्यात शिल्पकार राम वनजी सुतार द्वारा निर्मित है, जो अपनी कलात्मक उत्कृष्टता एवं प्रेरणादायी आभा के कारण केन्द्र की विशेष पहचान है।तत्पश्चात संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया, जिसमें न्याय—सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक; स्वतंत्रता; समता तथा बंधुत्व के मूल्यों के प्रति पुनः प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

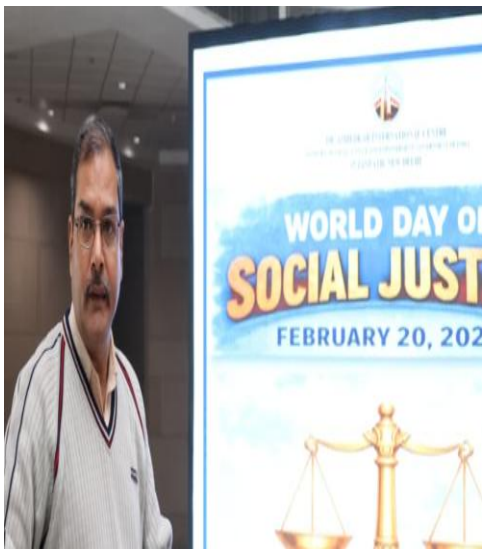

श्री अनिल कुमार सिंह, व्यवस्थापक, डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र ने अपने उद्बोधन में प्रतिपादित किया कि सामाजिक न्याय केवल वैधानिक उपबंध न होकर राष्ट्रजीवन का आधारभूत तत्त्व है। इसके बाद अनुसंधान सहयोगी, महिमा मोसेस ने सभी उपस्थित कर्मचारियों को उनकी दृष्टि में सामाजिक न्याय क्या है इस पर अपने विचार अंकित करने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वंचित, उपेक्षित तथा वियोगग्रस्त वर्गों के सशक्तिकरण, शिक्षण-अधिकार की सुनिश्चितता, आजीविका-संवर्धन तथा मानव-गरिमा की प्रतिष्ठा के बिना न्यायपूर्ण समाज की स्थापना संभव नहीं है। अनुसंधान सहयोगी, डॉ. सौरभ कुमार सुमन ने विश्व

सामाजिक न्याय दिवस पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विश्व सामाजिक न्याय दिवस की घोषणा 26 नवम्बर 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। इसके उपरांत वर्ष 2009 से प्रति वर्ष 20 फरवरी को इसका औपचारिक आयोजन प्रारम्भ हुआ। इस दिवस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक राष्ट्र सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक असमानताओं को न्यून करने तथा समावेशी, न्यायपूर्ण व्यवस्था की स्थापना हेतु सक्रिय प्रयास करे।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कार्मिकों ने सामाजिक समरसता, समान अवसर तथा संवैधानिक नैतिकता के संवर्धन का संकल्प व्यक्त किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह आयोजन सामाजिक न्याय के संवैधानिक आदर्शों के प्रति संस्थागत निष्ठा का सशक्त प्रकटीकरण सिद्ध हुआ।

Report

World Day of Social Justice 2026

Dr. Ambedkar International Centre, New Delhi
Date: 20 February 2026

On the occasion of World Day of Social Justice 2026, a programme was organised on 20 February 2026 at the Dr. Ambedkar International Centre under the Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India. The event was held to remember and reaffirm the constitutional values of justice, liberty, equality, and fraternity. It was organised in line with the objectives set by the United Nations to promote social justice, equality, and human dignity at the global level. The Department of Social Justice and Empowerment had issued a letter to all subordinate offices, attached offices, autonomous bodies, national institutes, and corporations to organise suitable programmes and to conduct a collective reading of the Preamble to the Constitution of India. In compliance with these instructions, a dignified programme was organised at the Centre.

The programme began with floral tribute to the 18-foot tall statue of Bharat Ratna Dr. Bhimrao Ramji Ambedkar located in the premises of the Centre. The statue has been created by the well-known sculptor Ram Vanji Sutar and is known for its artistic excellence and inspiring presence. After this, the Preamble to the Constitution of India was read collectively, reaffirming commitment to justice—social, economic and political—liberty, equality, and fraternity.

Shri Anil Kumar Singh, Administrator of the Centre, said in his address that social justice is not only a legal provision but a basic foundation of national life. Research Associate Ms. Mahima Moses encouraged all staff members to write their thoughts on what social justice means to them. She said that a just society cannot be built without empowering deprived and marginalized sections, ensuring the right to education, improving livelihood opportunities, and protecting human dignity.

All officers and staff present in the programme expressed their commitment to promoting social harmony, equal opportunities, and constitutional values. Research Associate Dr. Saurabh Kumar Suman explained that World Day of Social Justice was declared on 26 November 2007 by the United Nations General Assembly and has been observed every year on 20 February since 2009. He said that the purpose of this day is to ensure that every nation works actively to reduce social, economic, and political inequalities and to build an inclusive and just society.

The programme concluded with a vote of thanks. The event reflected the Centre's strong commitment to the constitutional ideals of social justice.